आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करण: जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 324 | जयपुर, गुरुवार 04 जून, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

अहमदाबाद में ... पेज 2

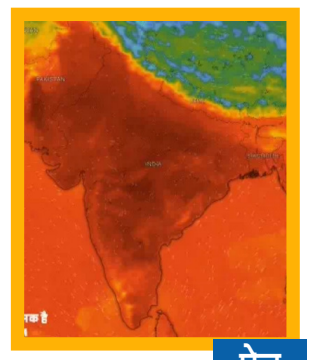

भारत समेत... पेज 3

दिल्ली में 6 मंजिला होटल में आग, 21 की मौत

इनमें बांग्लादेश-अफ्रीकी देशों के 17 नागरिक, बिना फायर NOC चल रहा था होटल

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 17 विदेशी नागरिक हैं। जो बांग्लादेश और अफ्रीकी देशों के हैं। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। चीफ फायर ऑफिसर अभिलाष मलिक ने कहा,फायर टीम ने यहां से 37 लोगों को बाहर निकाला। बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं। वहीं, हादसे के वीडियो में कुछ लोग जान बचाने के लिए जलती हुई इमारत की तीसरी-चौथी मंजिल से कूदते नजर आ रहे हैं। इन्हें बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने जमीन पर गद्दे भी बिछाए थे।

रेस्टोरेंट के ऊपर होटल था, आग 6 मंजिल तक पहुंची

आग 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने बी-एन-बी रेस्टोरेंट में लगी। कुछ देर बाद होटल में ऊपर की तरफ फैल गई। यह होटल दिल्ली के प्रेस एन्क्लेव रोड पर है। यहीं पर मैक्स हॉस्पिटल और आईआईएमएस भी है। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों में इलाज कराने आने वालों के परिजन भी इस होटल में रुका करते थे।

मैक्स अस्पताल बोला- 18 लोगों की पहले ही मौत हो चुकी थी, AIIMS में 13 लोग भर्ती

मैक्स अस्पताल के अधिकारी के मुताबिक कुल 39 लोगों को यहां लाया गया था। इनमें से 18 की पहले ही मौत हो चुकी थी। 5 लोगों को हल्की चोटें थीं। उन्हें डिस्चार्ज किया गया है। 15 लोग आईसीयू में एडमिट हैं, इनमें से 8 वेंटिलेटर पर हैं। जिनकी हालत गंभीर है।

एक व्यक्ति बहुत ज्यादा झुलस गया था, उसे सफदरजंग अस्पताल रैफर किया गया है। वहीं, **AIIMS** में 13 लोगों का इलाज जारी है। इनमें 3 लोग वह हैं, जिन्होंने होटल के कमरों से जान बचाने के लिए छलांग लगाई थी। एक व्यक्ति पैर टूट गए हैं।

होटल में 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे थे

फ्लरिस स्टे गेस्टहाउस को बेड एंड ब्रेकफास्ट कॉन्सेप्ट के तहत लाइसेंस जारी किया गया था। इसके तहत 6 रूम की परमिशन थी, लेकिन 25 कमरे बने थे। आग लगने के बाद होटल के रेस्टोरेंट के बेसमेंट में भी काफी लोग फंसे थे। इसमें अंदर जाने और बाहर निकलने का रास्ता एक ही था, जो बहुत संकरा था होटल के पास फायर **NoC** नहीं थी। आने-जाने का भी एक ही रास्ता था।

डीके शिवकुमार कर्नाटक सीएम बने, संविधान हाथ में लेकर शपथ

जी परमेश्वर उपमुख्यमंत्री बने, सिद्धारमैया के बेटे समेत 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

बेंगलुरु। डीके शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु के लोक भवन में कर्नाटक के 24वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान वे हाथ में संविधान रखे हुए थे। उन्हें 30 मई को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया था। जी परमेश्वर ने नए डिप्टी चीफ मिनिस्टर पद की शपथ ली। इनके अलावा 12 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इनमें पूर्व सीएम सिद्धारमैया के एमएलसी बेटे यतींद्र सिद्धारमैया भी शामिल हैं। शिवकुमार, सिद्धारमैया की जगह राज्य की कमान संभालेंगे। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। वे 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे।

शपथ में राहुल-खड़गे शामिल हुए

नई कैबिनेट में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के बेटे प्रियांक भी शामिल हैं। मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव के बाद होने की संभावना है। शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे के अलावा केरल, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण से ठीक एक दिन पहले सिद्धारमैया को कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।

ट्रोलिंग से परेशान इन्फ्लूएंसर ने पी लिया जहर

सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- आपकी बहन इस दुनिया में नहीं दिखेगी

जोधपुर। जोधपुर में सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग से परेशान होकर महिला इन्फ्लूएंसर अनीता बिश्नोई ने घर में जहर पी लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तुरंत मथुरादास माथुर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना बुधवार सुबह करीब 11=30 बजे बनाड़ थाना क्षेत्र के शिकारगढ़ स्थित गोदारों की ढाणी (बालाजी फार्म हाउस) की है। इन्फ्लूएंसर (कंटेंट क्रिएटर) अनीता ने यह कदम उठाने से करीब 5 घंटे पहले सोशल मीडिया (फेसबुक) पर एक पोस्ट भी किया था। इसमें लिखा था- आज के बाद आपकी बहन इस दुनिया में नहीं दिखेगी। अनीता के पति दीनाराम ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कुछ इन्फ्लूएंसर लगातार टारगेट करके मेरी पत्नी अनीता को परेशान कर रहे थे।

ममता की टीएमसी टूटी

58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना, स्पीकर ने मंजूरी भी दी

कोलकाता। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर विभाजन हो गया। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने निष्कासित विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र सौंपा। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। ऋतब्रत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दो और विधायक हमारे साथ हैं। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी विधानसभा स्पीकर और ममता बनर्जी का कोई बयान नहीं आया है। ममता के पास अब 22 विधायकों का समर्थन है। टीएमसी ने 294 सीटों में से 80 सीटें जीती थीं। इसी बीच सीनियर लीडर कुणाल घोष ने बताया कि फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब नेता विपक्ष के चयन से जुड़े प्रस्ताव पर फर्जी हस्ताक्षर का आरोप लगने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था।

ऋतब्रत बोले- अभिषेक से कोई संबंध नहीं, 3 बड़ी बातें

बागी गुट ने अपने पत्र में ममता बनर्जी को अब भी पार्टी अध्यक्ष बताया है। लेकिन अभिषेक बनर्जी का नेतृत्व और विधायक दल से जुड़े फैसलों को मानने से इनकार किया है। अभिषेक बनर्जी से हमारी पार्टी और जनता का दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। अगर संबंध होता तो वे 26 दिनों तक छिपे नहीं रहते बल्कि बाहर आते। अभिषेक को चोरों की तरह पीटा गया है। पिटाई के बाद भी अभिषेक कह रहे थे कि उनकी सुरक्षा जनता करेगी। बता दें कि अभिषेक से दक्षिण सोनारपुर में शनिवार को मारपीट हुई थी। वे चुनावी हिंसा में मारे गए कार्यकर्ता के परिवार से मिलने गए थे। संसदीय नियमों के मुताबिक उनका गुट ही बंगाल विधानसभा में असली और मुख्य विपक्ष है। बागी गुट को 58 विधायकों का समर्थन है, जो दल-बदल कानून के तहत जरूरी दो-तिहाई संख्या से ज्यादा है।

ममता ने पार्टी कमेटियां भंग कीं

पार्टी के भीतर बगावत के बीच ममता बनर्जी ने बुधवार को राज्य की सभी कमेटियों और फ्रंटल संगठनों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। पार्टी अब पूरे संगठन का पुनर्गठन करेगी।

कुवैत एयरपोर्ट पर ईरानी हमले में भारतीय की मौत

63 लोग घायल, कई की हालत गंभीर, अमेरिकी ठिकानों पर भी ड्रोन अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ईरानी ड्रोन हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हैं।

इनमें कई लोगों की हालत गंभीर है। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना पर शोक जताया है। कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कई लोगों को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद 25 एम्बुलेंस मौके पर भेजी गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

हमले से एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 को भारी नुकसान पहुंचा। इसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर कुछ समय के लिए एयरपोर्ट ट्रैफिक रोक दिया गया।

इससे पहले अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांडने बताया था कि ईरान ने कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर फिर ड्रोन हमले किए। हालांकि, सारे हमले नाकाम हो गए।

ट्रम्प ने माना- नेतन्याहू को फोन पर गाली दी थी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने माना है कि उन्होंने सोमवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर बातचीत के दौरान उन्हें 'पागल' कहा था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह नेतन्याहू की इज्जत करते हैं और उनके साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं। एक पॉडकास्ट में ट्रम्प ने कहा- इजराइल के लेबनान पर हमले को लेकर मैं परेशान था। मुझे बीबी (नेतन्याहू) बहुत पसंद हैं और मैं उनके साथ बहुत अच्छे से काम करता हूं। नेतन्याहू के खिलाफ ट्रम्प की गाली-गलौज वाली खबर सबसे पहले एक्सियोस ने सोमवार को पब्लिश की थी। बाद में इजराइली अधिकारियों ने इस रिपोर्ट का खंडन किया था।

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए

ईरान ने लाइबेरिया के झंडे वाले एक जहाज पर मिसाइलें दागने का दावा किया। इसके अलावा कुवैत और बहरीन की ओर मिसाइल और ड्रोन दागे। ईरान का कहना है कि उसने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी एयरबेस, हेलीकॉप्टर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को निशाना बनाया।

अमेरीका ने ईरानी ऑयर टैंकरों पर हमले किए

अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप के एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहे बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हेलफायर मिसाइल से हमला किया। इससे पहले अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास केश्म द्वीप पर स्थित एक ईरानी सैन्य नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया।

ट्रम्प ने लेबनान पर नेतन्याहू को फटकार लगाई

ट्रम्प ने लेबनान में इजराइली हमलों पर नेतन्याहू को फोन पर फटकार लगाई। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा- अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते।

लेबनान में इजराइली हमले तेज

लेबनान में इजराइली हमले जारी हैं। नबातियेह समेत कई इलाकों पर एयरस्ट्राइक हुईं, जबकि हिजबुल्लाह ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बना वरदानः 01 वर्षीय मासूम देवांश को मिली जन्मजात हृदय रोग से मुक्ति

जयपुर द्वितीय। चिकित्सा विभाग का राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बालक देवांश के लिए वरदान सिद्ध हुआ है। पैदाईश हृदयरोग से जूझ रहे मासूम देवांश को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रयासों की वजह से नया जीवन मिला है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहा 01 वर्षीय मासूम देवांश जन्म के बाद से ही बीमार रहने लगा था।

उसे साँस लेने में दिक्कत रहती थी और वजन भी नहीं बढ़ रहा था। जोबनेर के माछरखानी जोरपुरा ग्राम निवासी पिता राकेश ने उसे लेकर अस्पतालों के चक्कर लगाए पर बात नहीं बनी। गत 09 मार्च को जब राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम सांभर की मोबाईल हैल्थ टीम बी आंगनबाड़ी माछरखानी जोरपुरा (जोबनेर) में बच्चों की स्क्रीनिंग के लिए आई तो वहां उन्हें परीक्षण के दौरान देवांश के हृदय की बीमारी के विषय में पता लगा। मोबाईल हैल्थ टीम के डॉ. कमल शर्मा, एएनएम मीनाक्षी चौधरी, गरिमा वर्मा ने उसे मानसरोवर स्थित मंगलम मेडिसिटी अस्पताल में रैफर कर दिया। पिता राकेश नन्हे देवांश के ऑपरेशन की बात सुनकर घबरा गए। तब टीम ने उन्हें हिम्मत बंधाई और समस्त ईलाज नि:शुल्क होने के विषय में बताया। देवांश को गत 22 अप्रैल को मंगलम मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

आवश्यक परीक्षण के बाद 25 अप्रैल को डॉ. विनोद गुप्ता व उनकी टीम ने बालक देवांश का ऑपरेशन किया।

ऑपरेशन सफल रहा और नन्हे देवांश को जन्मजात हृदय रोग की तकलीफ से मुक्ति मिल गई। कुछ दिनों चिकित्सकों की देखरेख में रहने के बाद उसे गत 30 अप्रैल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। आज सामान्य बच्चों की तरह देवांश को हँसता खेलता देख माता पिता की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। वे राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, चिकित्सकों और राज्य सरकार के प्रति कृतज्ञ है, जिनके प्रयासों की वजह से देवांश का ऑपरेशन नि:शुल्क हुआ और उसे एक गंभीर रोग से मुक्ति मिल गई।

इसमे सीएमएचओ डॉ. मनीष मित्तल, बीसीएमओ (सांभर) डॉ. राज चौधरी, एडीएनओ डॉ. दिलीप शर्मा, आरबीएसके मोबाईल हैल्थ टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

गुजरात एमएलए का स्टीकर लगाकर उत्तराखंड में तोड़ा ट्रैफिक नियम

रोकने पर बोला- पापा विधायक हैं, पुलिस ने काटा 500 का चालान

चमोली। चारधाम यात्रा पर जा रही एक स्कॉर्पियो पर 'MLA GUJARAT' का स्टीकर लगाकर चल रहे युवकों के खिलाफ चमोली पुलिस ने कार्रवाई की। वाहन को चेकिंग के दौरान रोका गया तो ड्राइवर सीट पर बैठे युवक ने खुद को गुजरात के एक विधायक का बेटा बताया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर के अनुसार वाहन के शीशों पर गहरी काली (जेट ब्लैक) फिल्म लगी हुई थी, जो मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन है। इसके बाद पुलिस ने वाहन का 500 का चालान किया। स्कॉर्पियो में सात लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। सभी चारधाम यात्रा पर जा रहे थे। पुलिस ने मौके पर वाहन से स्टीकर हटवाया और शीशों पर लगी काली फिल्म भी उतरवाई। चालान जमा करने के बाद वाहन को आगे जाने की अनुमति दी गई।

गाड़ी में विधायक नहीं, फिर भी लगा था एमएल का स्टीकर

पुलिस के मुताबिक चेकिंग के दौरान वाहन में कोई विधायक मौजूद नहीं था। पूछताछ में चालक ने खुद को विधायक का बेटा बताया। इसके बावजूद वाहन पर विधायक का स्टीकर लगा हुआ था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान स्टीकर हटवाकर वाहन को नियमों के अनुरूप किया।

पुलिस ने कहा- कानून सभी के लिए समान

चमोली पुलिस ने स्पष्ट किया कि चारधाम यात्रा मार्ग पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है, चाहे कोई भी व्यक्ति किसी भी राज्य या पद से जुड़ा हो।

दिल्ली बिल्डिंग हादसा- मकान मालिक 10 लाख महीने कमाता था

2 फ्लोर और बन रहे थे, इमारत गिरने से 6 लोगों की जान गई थी

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत में 30 मई को हुए बिल्डिंग हादसे में नया खुलासा हुआ है। गिरफ्तार बिल्डिंग मालिक करमवीर ने पुलिस को बताया कि वह बिल्डिंग की चार मंजिलों से हर महीने करीब 10 लाख रुपये कमा रहा था। हर मंजिल करीब 2.5 लाख रुपये प्रति माह के किराए पर दी गई थी। जांच में पता चला है कि बिल्डिंग गिरने के समय दो और मंजिलों का निर्माण चल रहा था। सूत्रों ने बताया कि करमवीर ने नए फ्लोर के बारे में खरीदारों और निवेशकों से पहले ही बात कर ली थी। जिनसे उसे हर महीने 5 लाख रुपये की अतिरिक्त कमाई होने की उम्मीद थी। हालांकि नए फ्लोर बनने से पहले ही 30 मई को चार मंजिला इमारत ढह गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई थी। जिसके बाद पुलिस ने 71 साल के मकान मालिक करमवीर को अरेस्ट किया।

मलबे से कई बिजली मीटर, सभी आरोपी के नाम पर

मंगलवार को मलबा हटाने के काम के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से कई बिजली के मीटर जब्त किए। जो करमवीर के नाम पर रजिस्टर्ड थे। इन्हें सबूत के तौर पर रखा गया है। अधिकारियों का मानना है कि ये मीटर मकान मालिक के खिलाफ अहम सबूत साबित होंगे। पुलिस ने उन किराएदारों और रहने वालों से भी संपर्क करना शुरू कर दिया है। जिन्होंने बिल्डिंग में फ्लैट किराए पर लिए थे। कई लोगों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं, क्योंकि जांचकर्ता यह जानकारी जुटाना चाहते हैं कि निर्माण कब शुरू हुआ था, बिल्डिंग में कितने लोग रह रहे थे और क्या बिल्डिंग गिरने से पहले रहने वालों ने उसमें किसी तरह की कमजोरी के बारे में शिकायत की थी।

बिल्डिंग का कोई नक्शा नहीं, बिल्डर फरार

सूत्रों ने बताया कि पुलिस को अब तक इस बिल्डिंग का कोई एप्रूव्ड नक्शा नहीं मिल पाया है। अगर यह साबित हो जाता है कि बिल्डिंग का कोई नक्शा नहीं था या उसका निर्माण नियमों का उल्लंघन करके किया गया था। तो हादसो का जिम्मेदार सिर्फ मकान मालिक नहीं होगा। बल्कि उस बिल्डर को भी पकड़ा जाएगा जिसने यह बिल्डिंग बनाई। इस बीच, फरार चल रहे बिल्डर मनीष का पता लगाने की कोशिशें तेज कर दी गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, उसकी आखिरी लोकेशन देहरादून में मिली थी, और उसे पकड़ने के लिए पुलिस की एक टीम वहां भेजी गई है। जांचकर्ताओं का मानना है कि मनीष की गिरफ्तारी से निर्माण प्रक्रिया, मंजूरियों और बिल्डिंग से जुड़े पैसों के लेन-देन के बारे में और भी कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं।

अहमदाबाद में 166 बांग्लादेशी पकड़े गए

300 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में लिए गए, शहर के तीन इलाकों में पुलिस का एक्शन

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शहर के तीन इलाकों से 300 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जांच में 166 बांग्लादेशी पाए गए हैं, जबकि अन्य संदिग्धों के डॉक्यूमेंट्स की जांच की जा रही है। 2 जून की रात चलाए गए अभियान में अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में कार्रवाई की थी। हिरासत में लिए गए सभी लोगों को क्राइम ब्रांच कैंपस में रखा गया है।

पूरे शहर में तलाशी अभियान

क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि चंदोला इलाके में लगातार चल रहे अभियानों के कारण बड़ी संख्या में अवैध निवासी एक जगह टिकने से बच रहे हैं। वे पहचान बदलकर शहर के अलग-अलग इलाकों में किराए के मकानों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटलों, कामगार आवासों और व्यावसायिक स्थानों में रह रहे हैं। इसलिए पूरे शहर में एक साथ तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अवैध प्रवासियों को पकड़ने की कार्रवाई लंबी चलने वाली है।

दलालों के जरिए अपनी कमाई बांग्लादेश भेजते थे

पूछताछ में कुछ बांग्लादेशियों ने कबूल किया है कि वे यहां कमाए गए पैसे बांग्लादेश में रहने वाले परिवार को कैश में भेजते थे। इसके लिए वे दलालों का सहारा लेते थे। पहले पैसे कोलकाता भेजे जाते थे, वहां से बांग्लादेश पहुंचते थे। यह भी पता चला है कि कुछ मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए भी पैसे भेजे जा रहे थे। पुलिस इन दलालों की तलाश में जुटी है। साइबर क्राइम की टीमें भी मोबाइल से मिले एप्लीकेशंस की जांच कर रही हैं।

291 संदिग्ध हिरासत में

ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी 291 संदिग्धों को तुरंत पुलिस गाड़ियों में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के कैंपस लाया गया। फिलहाल, इन सभी संदिग्धों और बांग्लादेशी होने की पुष्टि हुए 131 नागरिकों को क्राइम ब्रांच की कस्टडी में रखा गया है। क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीमें हिरासत में लिए सभी लोगों के भारत में रहने के कानूनी सबूतों की जांच कर रही है। एजेंसियां यह पता लगाने के लिए पूरी जांच कर रही हैं कि संदिग्धों के पास मिले राशन कार्ड, वोटर ब्रूष्ठ या दूसरे पहचान के कागजात असली हैं या नहीं।

एजेंटों के नेटवर्क का होगा पर्दाफाश?

जिन 131 लोगों के बांग्लादेशी होने का सबूत मिला है, उन पर फॉरेनर्स एक्ट और इमिग्रेशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया जाएगा, उन्हें जेल भेजा जाएगा और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें देश से निकाला जाएगा। लेकिन, पुलिस के लिए अभी सबसे बड़ी चुनौती बाकी 160 लोग हैं, जिनसे पूछताछ जारी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए कई लोग सालों से यहां मजदूरी या दूसरी छोटी-बड़ी नौकरियों के बहाने स्थानीय लोगों के साथ घुलमिलकर रह रहे थे। इस ऑपरेशन से न सिर्फ घुसपैठियों का बल्कि स्थानीय एजेंटों के एक बड़े नेटवर्क का भी पर्दाफाश होने की उम्मीद है, जो उन्हें गैर-कानूनी तरीके से भारत में तस्करी करके लाते थे, उन्हें नकली पहचान पत्र देते थे और उन्हें पनाह देते थे।

एक स्पा से लड़कियां खिड़कियों से कूदकर भाग निकलीं

क्राइम ब्रांच जेसीपी शरद सिंघल ने बताया कि जब टीमें ओधव इलाके के क्रिस्टल कॉम्प्लेक्स पहुंचीं तो कुछ स्पा सेंटरों में अफरा-तफरी मच गई थी। जांच में पता चला कि कुछ स्पा सेंटरों में बांग्लादेशी लड़कियां काम कर रही थीं। पुलिस के पहुंचने से पहले स्पा मैनेजर फरार हो गया और स्पा सेंटर को बाहर से ताला लगा गया। अंदर फंसी लड़कियों को दरवाजा तोड़कर निकालने की कोशिश की जा रही थी। तभी कुछ लड़कियां खिड़कियों से कूदकर फरार हो गईं।उन्हें भगाने के लिए नीचे खड़े कुछ स्थानीय लोगों ने सीढ़ियां लगा दी थीं। इनमें से कुछ लड़कियों को हिरासत में लिया गया है। उनकी मदद करने वालों की भी तलाश की जा रही है।

पिछले साल भी हुई थी अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई

गौरतलब है कि पिछले साल गुजरात पुलिस और अहमदाबाद नगर निगम ने अवैध प्रवासियों और अवैध बस्तियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया था। विशेष रूप से चंडोला झील क्षेत्र में व्यापक कार्रवाई की गई थी। इस दौरान अहमदाबाद से 890 और सूरत से 134 बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया गया था। इनमें से 600 से ज्यादा के बांग्लादेशी होने की पुष्टि हुई थी।

अहमदाबाद के नौ ब्रिजों के नीचे तैयार होंगी अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं

महानगरपालिका भविष्य में इन केंद्रों पर स्थानीय टूर्नामेंट, कोचिंग कैंप और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करेगी। साथ ही नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और मिनी स्टेडियम विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। वर्ष 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 ओलंपिक जैसे संभावित अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को ध्यान में रखते हुए यह पहल अहमदाबाद को वैश्विक खेल मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इससे खेल पर्यटन, रोजगार और स्थानीय प्रतिभाओं के विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में अहमदाबाद महानगरपालिका (मनपा) ने एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। इसके तहत शहर के नौ प्रमुख ब्रिजों के नीचे स्थित खाली और अनुपयोगी जगहों को आधुनिक स्पोर्ट्स एक्टिविटी सेंटर में परिवर्तित किया जाएगा। इन केंद्रों में बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों के लिए विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मनपा का मानना है कि इस पहल से न केवल खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि शहर की खाली जगहों का भी बेहतर उपयोग हो सकेगा। मनपा के अनुसार सोला स्थित सिम्स अंडरब्रिज और राणिप ओवरब्रिज के नीचे अत्याधुनिक स्पोर्ट्स एक्टिविटी सेंटर तैयार किए जा चुके हैं और यहां खेल गतिविधियां भी शुरू हो गई हैं। इसके अलावा बोपल में लक्ष्मणराव वकील साहेब ब्रिज, अंजली ब्रिज तथा घोड़ासर ब्रिज के नीचे भी इसी तरह की सुविधाएं विकसित करने का कार्य चल रहा है। साथ ही बापूनगर स्थित दिनेश चैंबर फ्लाईओवर ब्रिज, मणिनगर के गुरुजी ओवरब्रिज, गुजरात कॉलेज रेलवे ओवरब्रिज तथा ओढ़व के राजेंद्र पार्क फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे भी स्पोर्ट्स सेंटर विकसित किए जाएंगे। इन सभी परियोजनाओं का संचालन पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जाएगा।

इन खेलों की होगी सुविधा

इन स्पोर्ट्स सेंटरों में क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और स्केटिंग जैसी खेल गतिविधियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। सिम्स ब्रिज के नीचे तैयार केंद्र में एयर हॉकी, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, बॉक्स क्रिकेट, पिकलबॉल, बास्केटबॉल, पूल टेबल, फूजबॉल और लूडो जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। राणिप केंद्र में भी अधिकांश खेल सुविधाएं शुरू कर दी गई हैं। खिलाड़ियों और बच्चों के लिए आवश्यक खेल उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे सभी आयु वर्ग के लोग इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

खेल संस्कृति को मिलेगा बढ़ावा

मनपा अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना का उद्देश्य युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना, उन्हें अपने क्षेत्र में ही प्रशिक्षण और अभ्यास की सुविधा उपलब्ध कराना तथा फिटनेस को जनआंदोलन का स्वरूप देना है। केंद्रों पर सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त एलईडी प्रकाश व्यवस्था, नियमित सफाई और रखरखाव की व्यवस्था भी की जाएगी।

उस बच्ची का कटा हुआ सिर मेरे हाथों में था..., अहमदाबाद प्लेन क्रैश में भाई-भतीजी और मौसी को गंवाने वाले रोमिन वोहरा ने कहा- मैं आज भी रात को सो नहीं पाता

अहमदाबाद। पिछले साल जून 2025 में अहमदाबाद में एअर इंडिया का एआई-171 प्लेन क्रैश हुआ था। इस भयानक विमान दुर्घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस दुखद घटना में खेड़ा के रोमिन वोहरा नाम के युवक ने अपने परिवार के 3 सदस्यों (भाई, 3 साल की भतीजी और मौसी) को खो दिया था। खुद मेडिकल फील्ड से होने के बावजूद, दुर्घटना स्थल पर देखे गए भयानक दृश्यों और अपनों की पहचान करने की वह प्रक्रिया रोमिन के लिए जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द बन गई है। दुर्घटना के 11 महीने बीत जाने के बाद भी ये खौफनाक यादें आज भी उनकी आंखों के सामने तैर रही हैं।

एक मासूम बच्ची का सिर मेरे हाथों में था...

हादसे के रोंगटे खड़े कर देने वाले संस्मरणों को याद करते हुए रोमिन वोहरा ने बताया कि, मैं उस रात और उन भयानक दृश्यों को कभी नहीं भूल सकता। जब मैं घटना स्थल पर पहुंचा, तो वहां अराजकता और दर्द के सिवा कुछ नहीं था। रोमिन वोहरा ने बताया, मैंने एक मासूम और बेहद खूबसूरत 2 से 3 साल की बच्ची का कटा हुआ सिर अपने हाथों में लिया था। उसके कानों में छोटी-छोटी बालियां थीं और छोटे-छोटे बाल थे। उसके चेहरे को करीब से देखकर मैंने अपनी भतीजी की तस्वीर से मिलाने की कोशिश की थी। उस मासूम का चेहरा मेरे हाथों में था... वह पल मैं मरते दम तक नहीं भूल पाऊंगा। आज 11 महीने हो गए हैं, लेकिन मैं एक भी रात पूरी नींद नहीं सो सका हूं। रोमिन ने आगे बताया कि, वहां सिर्फ शरीर ही नहीं, बल्कि मानवता के टुकड़े भी बिखरे पड़े थे। एक मेज पर शरीर के अलग-अलग अंगों को काटकर अलग रखा गया था। एक करीब 6 महीने की गर्भवती महिला का शव था, जिसने राजस्थानी रजवाड़ी साड़ी पहनी हुई थी। साड़ी का पल्लू थोड़ा भी जला नहीं था, लेकिन विस्फोट के कारण उसका पेट फट गया था और बच्चा बाहर लटक रहा था। पुरुषों के ऐसे मृतदेह भी थे जो पूरी तरह से जलकर खाक हो चुके थे और सिर्फ कंकाल ही बाकी बचे थे।

परिवार के 3 सदस्यों को खोने का कभी न पूरा होने वाला नुकसान

रोमिन ने बताया, मेरा भाई मुझसे सिर्फ 11 महीने बड़ा था। मैं 32 साल का हूं और मेरा भाई 33 साल का था। मेरी 3 साल की भतीजी तो मेरे पास ही पली-बढ़ी थी, मैं उसे अपने बच्चों से भी ज्यादा प्यार करता था। रोमिन ने आगे बताया, जब भी रात में मुझे यह हादसा याद आता है, तो मैं आधी नींद से जाग जाता हूं। दिन के समय भी उन पलों को याद करके मेरी आंखें भर आती हैं कि मेरे भाई, भतीजी और मां (मौसी) ने उस समय कितना दर्द सहा होगा!

काशी में 200 साल पुरानी मस्जिद 22 मिनट में ढहाई

आधी रात 1000 जवान तैनात, 5 बुलडोजर चले, पूरा मलबा रातों-रात हटवाया

वाराणसी। वाराणसी में आधी रात प्रशासन ने 200 साल पुरानी अजगैब शहीद मस्जिद को ढहा दिया। महज 22 मिनट में 5 बुलडोजरों ने 42 फीट ऊंची मस्जिद को तोड़ दिया। पूरा मलबा भी रातों-रात ट्रकों में भरकर हटा दिया गया। मंगलवार रात 12 बजे प्रशासन 1000 से अधिक पुलिस जवानों के साथ मौके पर पहुंचा। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल और एडीसीपी वैभव बांगर ने मस्जिद के चारों ओर बैरिकेडिंग करवाई। लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई। इसके बाद बुलडोजर एक्शन शुरू हुआ। प्रशासन का कहना है कि मस्जिद रेलवे की जमीन पर बनी थी। मामला कोर्ट गया था, वहां से फैसला रेलवे के पक्ष में आ चुका है। यहां काशी रेलवे स्टेशन को मॉडल बनाया जा रहा है। इसलिए उसका विस्तार किया जा रहा, इसी वजह से यह कार्रवाई की गई।

जानिए पूरा मामला

भदऊ चुंगी स्थित किला कोहना इलाके में अजगैब शहीद की मस्जिद और कब्रिस्तान स्थित है। मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद 200 साल पुरानी थी। मस्जिद के मुतवल्ली शमीम उस्ताद थे, जिनका दो महीने पहले निधन हो चुका है। प्रशासन का कहना है कि यह रेलवे की पुरानी जमीन है, जिस पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा करके पहले मजार बनाई। बाद में मस्जिद और कब्रिस्तान का निर्माण किया गया। साल 2024 में काशी मॉडल रेलवे स्टेशन का प्रोजेक्ट आया। इसके बाद जमीन की पैमाइश कराई गई, जिसमें अवैध कब्जे का पता चला। रेलवे ने मस्जिद के मुतवल्ली से जमीन खाली करने के लिए कहा। हालांकि, वह कोर्ट पहुंच गए। हाल ही में मुतवल्ली केस हार गए। इसके बाद रेलवे ने जमीन खाली करने के लिए 3 बार नोटिस जारी किया, लेकिन जमीन खाली नहीं की गई। इसके बाद कार्रवाई की गई।

भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका

केंद्र का निर्देश- राज्य तुरंत एक्शन प्लान लागू करें; 2 सिस्टम बने तो ही बारिश की उम्मीद

नई दिल्ली। इस साल में भारत समेत दुनियाभर में सूखे की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने मंगलवार देर रात वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र की इस मौसम एजेंसी के मुताबिक, प्रशांत महासागर में तेजी से गर्म हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80% है। नवंबर तक इसके 90% या उससे ज्यादा बने रहने की आशंका है। इन सबके बावजूद भारत में 2 एक्टिव सिस्टम यानी इंडियन ओशन डायपोल और मैडेन-जूलियन ऑस्सिलेशन से मानसून बच सकता है। ये बादलों और हवाओं का एक ऐसा वैश्विक सिस्टम है तो मूमध्य रेखा पर घूमता रहता है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरता है, तो कमजोर मानसून में भी भारी बारिश के स्पेल (दौर) लेकर आता है। मौसम विभाग के मुताबिक देश में मानसून के दौरान सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी लेट है। इसके 4 जून को केरलम पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है।

कृषि मंत्रालय ने राज्यों को तैयारी के निर्देश दिए

डब्ल्यूएमओ के मुताबिक, अल नीनो आगे चलकर और मजबूत हो सकता है। इससे भारत समेत दुनियाभर में सूखा, बाढ़, समुद्री-स्थलीय

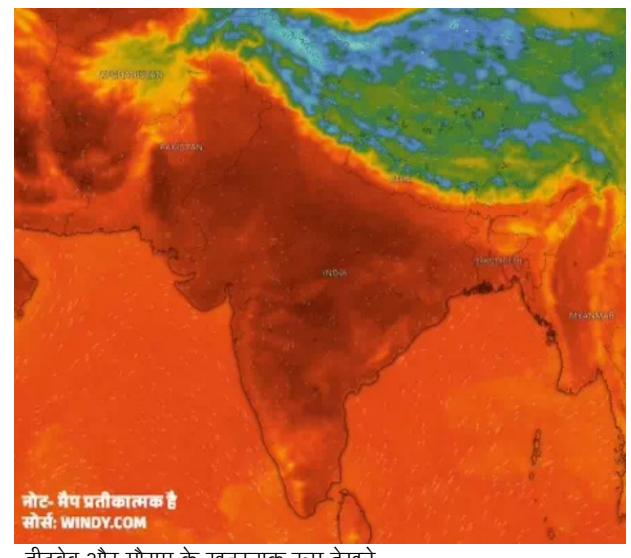

हीटवेव और मौसम के खतरनाक रूप देखने को मिल सकते हैं। इस बीच कृषि मंत्रालय ने राज्यों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया है कि सामान्य से कम मानसून और अल नीनो की आशंका को देखते हुए जिलास्तर पर प्लान लागू करें। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि साथ ही किसानों तक जल्दी जानकारी पहुंचाने के लिए डिजिटल और कॉल सेंटर सेवाओं को मजबूत करें।

क्या है अल नीनो और ये क्यों आता है

प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में जब समुद्री हवाएं कमजोर पड़ती हैं, तो दक्षिण अमेरिकी तट का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। समुद्र के पानी के गर्म होने को अल नीनो कहते हैं। यह वैश्विक हवाओं और बादलों के पैटर्न को बदलकर दुनियाभर के मौसम को तहस-नहस कर देता है।

समुद्र का पानी 6डिग्री ज्यादा गर्म हुआ

WMO के वैज्ञानिकों के मुताबिक, प्रशांत महासागर की सतह के नीचे का पानी सामान्य से 6डिग्री तक ज्यादा गर्म मिला है। यह चिंताजनक है। समुद्र में जमा यही अतिरिक्त ऊष्मा सतह को गर्म कर रही है, जिससे अलनीनो को रफ्तार मिल रही है।

भारत में 2 एक्टिव सिस्टम से मानसून बच सकता है

WMO के अनुसार, अल नीनो के बावजूद भारत में मानसून बच सकता है, यदि ये दो सिस्टम एक्टिव रहें- **पहली**- इंडियन ओशन डायपोल। इसे हिंद महासागर का अल नीनो भी कहते हैं। यदि इसका फेज पॉजिटिव हो, तो यह अल नीनो के सूखे के प्रभाव को पूरी तरह खत्म कर भारत में अच्छी बारिश करा सकता है।

दूसरा- मैडेन-जूलियन ऑस्सिलेशन। यह बादलों और हवाओं का एक वैश्विक चक्र है जो भूमध्य रेखा पर घूमता रहता है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरता है, तो कमजोर मानसून में भी भारी बारिश के स्पेल (दौर) लेकर आता है।

प्रभावित देशों को तैयार रहने को कहा

संगठन ने गंभीर सूखे की आशंका जताई है। उसने भारत समेत सभी प्रभावित देशों की सरकारों, कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा विभागों को युद्ध स्तर पर तैयार रहने को कहा है। समय पर मिली सटीक चेतावनी और पूर्व-तैयारी से ही लाखों जानें बच सकती हैं। इससे पहले साल 2023-24 का अल नीनो इतिहास के पांच सबसे शक्तिशाली दौर में शामिल था, जिसने 2024 में वैश्विक तापमान के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे।

सस्पेंड डीआईजी भुल्लर केस, सीबीआई बोली- सैंक्शन ऑर्डर वैध

ट्रायल टालने की कोशिश, याचिका खारिज करने की मांग, अब कल होगी बहस

चंडीगढ़। रिश्वत मामले में फंसे पंजाब पुलिस के सस्पेंड डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर द्वारा मुकदमा चलाने की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिका का CBI ने विशेष अदालत में विरोध किया है। एजेंसी ने अदालत में जवाब दाखिल करते हुए कहा कि अभियोजन स्वीकृति पूरी तरह वैध है और आरोपी की अर्जी तथ्यों तथा कानून दोनों के आधार पर टिकाऊ नहीं है। मामले में अब 4 जून को बहस होगी। CBI ने अपने जवाब में कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 19(2) के तहत सक्षम प्राधिकारी ने जांच से जुड़े सभी तथ्यों और दस्तावेजों पर विचार करने के बाद विधिवत अभियोजन स्वीकृति प्रदान की थी। सीबीआई के अनुसार, शिकायतकर्ता की लिखित शिकायत के आधार पर 16 अक्टूबर 2025 को डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और सह-आरोपी कृष्णु शारदा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच पूरी होने के बाद 3 दिसंबर 2025 को अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई। CBI ने अदालत को बताया कि 13 मार्च को अदालत इस मामले में संज्ञान ले चुकी है और उस समय वैध अभियोजन स्वीकृति आदेश रिकॉर्ड पर मौजूद था। ऐसे में अब सैंक्शन आदेश की वैधता पर सवाल उठाना उचित नहीं है।

मुख्य सचिव को दी गई जानकारी

CBI ने भुल्लर के इस दावे को गलत बताया कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी केवल पंजाब सरकार ही दे सकती थी। एजेंसी ने कहा कि भुल्लर आईपीएस अधिकारी हैं और उन्हें नौकरी से हटाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। उनके खिलाफ केस चलाने की मंजूरी केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दी थी। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि पंजाब सरकार को प्रक्रिया से बाहर नहीं रखा गया था।

अमृतसर में दुर्ग्याणा मंदिर में युवक-युवती ने रील बनाई

डांस करते हुए दिखे, बैकग्राउंड में नीं तू दिल ले जा मित्रां दा पंजाबी गाना लगाया

अमृतसर। अमृतसर स्थित दुर्ग्याणा मंदिर में एक जोडे ने पंजाबी गाने पर रील बना दी। रील में युवक-युवती मंदिर की परिक्रमा में डांस करते दिख रहे हैं। उनके बैकग्राउंड में पंजाबी गाना 'नी तू दिल लैजा मितरां दा' बज रहा है। इसके बाद रील को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया गया। यह वीडियो सामने आते ही हिंदू संगठन भडक उठे हैं। उन्होंने इस पर एतराज जताते हुए कहा कि प्रशासन तुरंत इस पर कार्रवाई करे। रील बनाने वालों के खिलाफ कानूनी एक्शन लिया जाए। ऐसा न हुआ तो वह दुर्ग्याणा मंदिर कमेटी के ऑफिस के बाहर मरणव्रत पर बैठ जाएंगे।

सबसे पहले जानिए, रील में क्या दिख रहा- 34 सेकेंड की इस रील में पहले दुर्ग्याणा मंदिर की परिक्रमा दिखाई जाती है। इसके बाद एक युवक और युवती पंजाबी गाने पर डांस करते हुए नजर आते हैं। यह कपल पंजाबी सॉन्ग के बोल के हिसाब से हाथों-पैरों की मूवमेंट करते हुए भी नजर आते हैं। इस दौरान वह मंदिर की मर्यादा के उलट आपत्तिजनक मूव्स भी करते हुए दिखते हैं। इस दौरान वहां और भी श्रद्धालु वहां से गुजरते हुए नजर आते हैं लेकिन वह इनकी हरकतों पर इन्हें टोकते नहीं हैं।

शंकराचार्य परिषद के प्रमुख बोले- मरणव्रत पर बैठूंगा

इस मामले में शंकराचार्य परिषद पंजाब के प्रमुख बाबा अशनील महाराज ने कहा कि बार-बार इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं। इससे साफ संकेत मिलते हैं कि निगरानी और अनुशासन को लेकर गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने मंदिर प्रबंधन से अपील की कि परिसर में सुरक्षा और निगरानी को और मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। बाबा अशनील का कहना है कि धार्मिक स्थलों की अपनी गरिमा, मर्यादा और पवित्रता होती है, जिसका सम्मान करना हर श्रद्धालु का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए केवल रील बनाने वाले लोग ही जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि दुर्ग्याणा मंदिर कमेटी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि अगर 10 जून तक इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो वह मरणव्रत पर बैठ जाएंगे।

हनुमान मंदिर के चेयरमैन बोले- हमने माफी मंगवाई, वीडियो डिलीट कराया

दुर्ग्याणा मंदिर में हनुमान मंदिर के चेयरमैन राकेश का कहना है- मुझे जब इस वीडियो के बारे में पता चला तो मैंने तुरंत इस बारे में पुलिस में कंप्लेंट की। हालांकि, बाद में पूरा परिवार हमारे पास पहुंचा और माफी मांग ली। हमने सख्त चेतावनी देते हुए उन्हें जाने दिया। उन्होंने कहा कि इस जोडे की नई-नई शादी हुई है। इसके बाद ये मंदिर में माथा टेकने आए थे। इसके बाद इन्होंने मंदिर में यह रील भी बनाई और सोशल मीडिया पर अपलोड की। जब ये माफी मांगने आए तो कहने लगे कि इनसे गलती हो गई है। भविष्य कभी ऐसा नहीं करेंगे। यह जोडा अमृतसर का ही रहने वाला है।

भारतीय मूल की लड़की ने सुधारी ऑक्सीमीटर की खामी

पल्स ऑक्सीमीटर के गोरे-काले का भेद खत्म किया; पहले ऑक्सीजन लेवल गलत बताता था

लुधियाना। अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाला पल्स ऑक्सीमीटर गोरे-काले लोगों का ऑक्सीजन लेवल चेक करने में भेदभाव कर रहा था। यह गोरे लोगों का ऑक्सीजन लेवल सही बताता है। जबकि, काले और सांवले लोगों का ऑक्सीजन लेवल गलत बताता रहा। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा। कनाडा में रहने वाली पंजाब मूल की 17 साल की स्टूडेंट गुरनूर कौर ने इस लाइफ-सेविंग मशीन के मैथमेटिकल फॉर्मूले में सुधार करके इस 53 साल पुरानी गलती को हमेशा के लिए ठीक कर दिया है। गुरनूर की इस खोज इगेनपल्स के बाद अब ऑक्सीमीटर बिना किसी रंगभेद के हर इंसान के खून में ऑक्सीजन की 100त्न सटीक मात्रा बताएगा। इस ऐतिहासिक कामयाबी के लिए गुरनूर को कनाडा के सबसे बड़े नेशनल साइंस फेयर में बेस्ट प्रोजेक्ट अवॉर्ड फॉर इनोवेशन से सम्मानित किया गया है।

ऑक्सीमीटर कैसे करता था कलर डिस्क्रिमिनेशन, जानिए

ऑक्सीजन लेवल बताता है ऑक्सीमीटर- पल्स ऑक्सीमीटर एक छोटा सा उपकरण होता है, जिसे मरीज की उंगली पर लगाकर यह पता किया जाता है कि उसके खून में ऑक्सीजन की मात्रा कितनी है? फेफड़ों और दिल की बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए यह मशीन किसी लाइफ-सपोर्ट से कम नहीं है। डॉक्टर इसी की रीडिंग देखकर तय करते हैं कि मरीज को कितनी ऑक्सीजन देनी है या उसे ब्लड में भर्ती करना है या नहीं।

गहरे रंग वाले में ऑक्सीजन लेवल ज्यादा बताता था

करीब 53 साल पहले ऑक्सीमीटर की खोज हुई और करीब 50 साल पहले यह मेडिकल फील्ड में यूज होने लगा। यह मशीन गोरे रंग के लोगों के शरीर में तो बिल्कुल सही ऑक्सीजन लेवल बताती थी, लेकिन जैसे ही इसका इस्तेमाल गहरे रंग की त्वचा यानी काले-सांवले रंग वाले लोगों पर किया जाता था, तो इसकी रीडिंग गलत आने लगती थी। कई बार मरीज के शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम होता था, लेकिन मशीन उसे सामान्य दिखा देती थी।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में आए

कहा- 6 जून को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होंगे, पार्टी ने तीन प्रवक्ता नियुक्त किए

नई दिल्ली। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी की मांगों और विचारधारा का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर मंगलवार को खुद इसकी जानकारी दी। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने तीन प्रवक्ता नियुक्त किए हैं। कॉकरोज इस बैक के ट्वीट के अनुसार पत्रकार सौरव दास मुख्य प्रवक्ता होंगे। वहीं फिल्ममेकर विजेता दहिया और आईआईटी कानपुर और ग्लोबल मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मैकिन्से के एल्युम्नस, आशुतोष रांका प्रवक्ता होंगे। वांगचुक ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा- मैंने सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके से बात की। उनसे बात करके मुझे लगा कि उनकी मंशा गलत नहीं है। वे एक देशप्रेमी हैं और बदलाव चाहते हैं। वांगचुक ने कहा- अभिजीत 6 जून को दिल्ली में लोगों को बुला रहे हैं। अगर 5 जून तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया तो मैं भी जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होऊंगा।

6 जून को भारत लौटेंगे अभिजीत, एयरपोर्ट से सीधे थाने जाएंगे

अभिजीत दिपके 6 जून को अमेरिका से भारत लौटेंगे। उन्होंने 1 जून को सोशल मीडिया पर बताया था कि वे जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत ने बताया कि वे एयरपोर्ट से सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाएंगे और प्रदर्शन की इजाजत मांगेंगे। उन्होंने लोगों से एयरपोर्ट पर मिलने और प्रदर्शन में शामिल होने की अपील भी की।

अभिजीत अमेरिका में पढ़ रहे, आप में काम कर चुके

30 साल के अभिजीत दिपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वो अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। अभिजीत 2020 से 2022 तक केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत आप के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे। एक इंटरव्यू में अभिजीत ने बताया कि उन्होंने निजी जिंदगी और आर्थिक स्थिरता के लिए आप छोड़कर बोस्टन यूनिवर्सिटी में अप्लाई किया था। एडमिशन मिल गया, तो वे अमेरिका शिफ्ट हो गए।अभिजीत किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे राजनीतिक मुद्दों पर एक्स अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच कराने की याचिका खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने 24 मई को कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील एनके गोस्वामी ने कहा कि सीजेपी, ज्यूडीशियरी की इमेज खराब कर रही है। इसके बाद **CJI** और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा, 'इसे इतनी भावुकता से मत लें।'

एमपी से राज्यसभा की रेस में कमलनाथ आगे

जातीय समीकरणों में अरुण, सज्जन और ब्राह्मण, क्षत्रिय नेता भी शामिल, 8 जून तक नॉमिनेशन होगा

भोपाल। एमपी में राज्यसभा की तीन सीटों पर नामांकन 8 जून तक दाखिल किए जाएंगे। इनमें दो सीटों पर बीजेपी और एक सीट कांग्रेस के पास है। कांग्रेस के कब्जे वाली सीट पर उम्मीदवारों को लेकर दिल्ली में मंथन तेज हो गया है। कर्नाटक में नए सीएम डीके शिवकुमार के आज शपथ ग्रहण समारोह के बाद दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में बैठक हो सकती है। दो दिनों में राज्यसभा के उम्मीदवारों के नाम तय होने की संभावना है।

खरगे और सोनिया ने कहा तो दिग्विजय जा सकते हैं

मौजूदा राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह तीसरी बार राज्यसभा जाने से मना कर चुके हैं। अब सीनियर लीडर्स में पूर्व सीएम कमलनाथ का नाम सबसे आगे है। हालांकि, कमलनाथ के मामले सोनिया गांधी की भूमिका सबसे अहम होगी। कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि दिग्विजय के मामले में अंतिम फैसला कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी लेंगी। यानी अगर सोनिया खरगे ने कहा तो दिग्विजय तीसरी बार राज्यसभा जा सकते हैं।

जीतू भी समीकरण बनाने में जुटे

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भले ही सार्वजनिक तौर पर खुद को राज्यसभा की रेस से अलग कर चुके हों, लेकिन अंदरखाने वे पार्लियामेंट के अपर हाउस जाने के लिए जोड-तोड लगा रहे हैं। जीतू पटवारी को दिग्विजय सिंह पहले ही कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल का करीबी बता चुके हैं। जीतू को प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी का भी समर्थन हासिल है। कांग्रेस अगले विधानसभा चुनाव को देखते हुए राज्यसभा के लिए जातीय समीकरणों के हिसाब से भी नेताओं के नामों पर मंथन कर रही है। इस रेस में सामान्य, ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के नेताओं के नामों को खोजा गया है।

गहलोत बोले-मंत्रियों और प्रशासन की मति भ्रष्ट हो चुकी है

मंत्री जोगाराम पटेल अपने गांव वालों को पानी नहीं दिला सके, उल्टे केस करवा दिया

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बीजेपी सरकार और मंत्रियों पर निशाना साधा। गहलोत ने कानून मंत्री जोगाराम पटेल के गांव में पानी की समस्या उठाने वाले ग्रामीणों के खिलाफ केस दर्ज करने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने एक्स पर लिखा- पानी मांगोगे तो जेल जाओगे। राजस्थान में भाजपा सरकार का नया डबल इंजन सर्कस है। जोधपुर के धुंधाड़ा गांव में ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री और इसी गांव के निवासी जोगाराम पटेल के सामने पानी की किल्लत की समस्या रखी और पानी दिलाने की मांग की थी। मंत्रीजी पानी तो नहीं दिला सके, उल्टा जलदाय विभाग ने ग्रामीणों पर राजकार्य में बाधा डालने की एफआईआर दर्ज करवा दी। क्या वे जनता की इस मूलभूत आवश्यकता को भी पूरा नहीं कर सकते?

पहले एक और मंत्री से पानी मांगा तब कनेक्शन काटे थे

गहलोत ने आगे लिखा- यह दिखाता है कि सत्ता के मद में सरकार के मंत्रियों और प्रशासन की मति भ्रष्ट हो चुकी है। इससे पूर्व में भी जब मंत्री जोराराम कुमावत से पेयजल की मांग की गई थी, तब गांववालों के बिजली और पानी के कनेक्शन काट दिए गए थे।

घमंड की पराकाष्ठा

गहलोत ने लिखा- ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार अब संवेदनहीनता और अभिमान की पराकाष्ठा पर पहुंच गई है, जिसके कारण वह ऐसा तानाशाही रवैया अपना रही है जिसकी भर्त्सना की जानी चाहिए।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में एबीवीपी का हंगामा

पुलिस ने किया लाठीचार्ज छात्रसंघ चुनाव बहाली समेत कई मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, कुलपति सचिवालय का किया घेराव

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्र मुद्दों को लेकर आज जमकर हंगामा हुआ। सिंडीकेट बैठक से पहले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कुलपति सचिवालय का घेराव कर दिया। छात्रसंघ चुनाव बहाल करने, फीस वृद्धि वापस लेने और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र परिसर में इकट्ठा हुए और जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए बल प्रयोग किया और छात्रों को खदेड़ा। इस दौरान तीन छात्रों को हिरासत में भी लिया गया। घटना के बाद परिसर में कुछ समय तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा। राष्ट्रीय संयोजक, राज्य विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भारत भूषण यादव ने कहा कि राजस्थान यूनिवर्सिटी में लगातार फीस बढ़ाई जा रही है, जबकि छात्रों को बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कैंपस में पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और कई भवनों की हालत जर्जर हो चुकी है। जिन जगहों पर छात्र बैठते हैं, वहां छतों से प्लास्टर गिरने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन छात्रों से मोटी फीस वसूल रहा है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर स्थिति बेहद खराब है। इसके साथ ही लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव भी नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे छात्रों का लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है।

कार पर 'सचिव प्रदेश कांग्रेस-कमेटी' का बोर्ड लगाया, जुर्माना लगाया

आरटीओ ने वसूले 5 हजार रुपए; जयपुर में 1 हजार से ज्यादा मॉडिफाइड गाड़ियों की जांच

जयपुर। जयपुर में मॉडिफाइड वाहनों, फर्जी नंबर प्लेट और वाहनों पर लगे अनधिकृत बोर्ड, पोस्टर, लाल पट्टियों के खिलाफ परिवहन विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की संयुक्त टीमों ने शहर से बाहर जाने वाले प्रमुख टोल प्लाजा पर बुधवार से जांच अभियान चलाया। पहले ही दिन 1000 से अधिक वाहनों की जांच की गई, जबकि 200 से ज्यादा चालान बनाए गए। आरटीओ प्रथम राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया- जांच के दौरान एक स्विफ्ट कार पर नंबर प्लेट के ऊपर 'सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी, राज.' का बोर्ड लगा मिला। वाहन पर लगा यह बोर्ड नियमों के अनुरूप नहीं था। जांच के बाद कार ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

नदियों को प्रदूषित करने वाले नेटवर्क की जांच करेगी एसआईटी

भ्रष्ट अधिकारियों पर कसा जाएगा शिकंजा, पुरानी एफआईआर की भी होगी दोबारा जांच

जोधपुर। देश के जोधपुर, पाली और बालोतरा जिलों में प्रदूषित नदियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एसआईटी का गठन किया गया है। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा की ओर से 2 जून को इसे लेकर आदेश जारी किए गए हैं। यह एसआईटी इन तीन जिलों से निकलने वाली जोजरी, बांडी और लूणी नदी के प्रदूषण मामले की जांच करेगी। इसके साथ ही, इससे संबंधित सीईटीपी से लेकर राजस्थान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। इसके अलावा, एसआईटी इन तीनों जिलों में प्रदूषण के मामले में दर्ज पुरानी एफआईआर को भी खंगालेगी। साथ ही, प्रदूषण फैलाने और भ्रष्टाचार के मामले सामने आने पर नई एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। सिविल राइट्स एंड एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग की एडीजी लवली कटीयार को इस स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा तीनों जिलों के एसपी और जांच अधिकारियों को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

एसआईटी में ये अधिकारी होंगे शामिल:

अध्यक्ष: लवली कटीयार (डीजीपी, सिविल राइट्स एंड एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग)

सदस्य: देवेंद्र कुमार विश्नोई (पुलिस उप महानिरीक्षक, आरपीटीसी, जोधपुर)

सदस्य: पंकज यादव (कमांडेंट, प्रथम बटालियन, आरएसी, जोधपुर)

जोधपुर जिले के लिए: सदस्य: कमल शेखावत (पुलिस उपायुक्त - पश्चिम, जोधपुर) **जांच अधिकारी:** नरेंद्र देवड़ा (अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोधपुर) **पाली जिले के लिए: सदस्य:** मोनिका सेन (एसपी, पाली) **जांच अधिकारी:** निशांत भारद्वाज (एएसपी, पाली)

बालोतरा जिले के लिए: सदस्य: रमेश (एसपी, बालोतरा) **जांच अधिकारी:** अनिल राजपुरोहित

एसआईटी इन पॉइंट पर करेगी काम

एफआईआर और अवैध नेटवर्क की जांच: एसआईटी दर्ज की गई हर एफआईआर की नए सिरे से जांच करेगी। साथ ही जोधपुर, पाली और बालोतरा में औद्योगिक कचरा (इंडस्ट्रियल वेस्ट), उसके बहाव, स्ट्रक्चर और उन गुप्त नालों (बायपास) की भी जांच की जाएगी जिनसे प्रदूषित पानी नदियों में छोड़ा जा रहा है।

अवैध सिस्टम चलाने वालों पर शिकंजा: इस अवैध नेटवर्क और सिस्टम को चलाने वाली फैक्ट्रियों/इंडस्ट्री, भू-माफियाओं और अन्य जिम्मेदार लोगों को चिह्नित किया जाएगा।

सीईटीपी और अधिकारियों की भूमिका की जांच: कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के पदाधिकारियों के साथ-साथ राज्य सरकार, आरएसपीसीबी, रीको और स्थानीय निकायों के उन अधिकारियों की भूमिका की जांच की जाएगी, जिन्होंने इस प्रदूषण को बढ़ावा दिया या अनदेखी की। इस नेक्सस में शामिल भ्रष्ट अधिकारियों पर भी शिकंजा कसा जाएगा।

कड़ा एक्शन और नई एफआईआर: जांच के दौरान यदि किसी भी एजेंसी या सरकारी अधिकारी का भ्रष्टाचार सामने आता है, तो उसके खिलाफ नए सिरे से मामला दर्ज करवाया जाएगा। प्रदूषण फैलाने में मिलीभगत या रिश्वतखोरी का मामला सामने आने पर भी तुरंत एफआईआर दर्ज की जाएगी।

विभागों से शामिल करेंगे डेटा, जांच के लिए शामिल होंगे अधिकारी

आदेशों के अनुसार ये एसआईटी रिको, आरएसपीसीबी, जिला प्रशासन से डेटा कलेक्ट करेगी। इसके साथ ही जोधपुर आयुक्तालय, पाली और बालोतरा जिलों के पुलिस अधिकारियों को भी वे जांच में साथ में ले सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट की अगली पेशी से पहले एसआईटी को अपनी रिपोर्ट बनाकर पेश करनी होगी। हालांकि इन आदेशों के अनुसार हर 15 दिना में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस को अपराध शाखा के माध्यम से महानिदेशक पुलिस (छ्रत्क्र) को पेश करनी होगी।

इनकी बुराई करो तो पाकिस्तानी बता देते हैं: जूली

जूली बोले- डोटासरा ने कहा- कैलाश चौधरी को आदेश, राठौड फेल हुए आप इधर-उधर घूमो

टोंक। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कैलाश चौधरी के हवा-हवाई नेता वाले बयान पर कहा- जनता ने बता दिया कि हवा-हवाई नेता कौन है। उनको ऊपर से आदेश हैं, उनको कहा गया है मदन राठौड फेल हो गए हैं आप इधर-उधर घूमो। वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- एक नया कांसेप्ट आया है। जो इनकी (बीजेपी) की विचारधारा से सहमत नहीं है, उसे पाकिस्तानी बता दो। आरएलपी सुप्रीमो सांसद हनुमान बेनीवाल और बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के बीच चल रहे विवाद पर कहा कि राजनीति में ऐसी भाषा का प्रयोग किसी को नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा कोटा जाते समय टोंक के पास कार्यकर्ताओं से मिले। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, नीट पेपर लीक और पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी पर बयान दिए। राहुल गांधी और खड़गे ही पूरे देश में पार्टी के चेहरे हैं। पार्टी उनकी आइडियोलॉजी पर चुनाव लड़ेगी। डोटासरा ने कहा- राजस्थान में 2028 का विधानसभा चुनाव किसी चेहरे पर नहीं लड़ा जाएगा। मैं अपनी बात पर कायम हूं।

'कैलाश चौधरी अब क्यों बोल रहे'

पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी द्वारा गत दिनों टोंक दौरे के दौरान प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को हवा हवाई नेता बताने पर डोटासरा ने कहा- वो तो जनता ने निर्णय कर दिया हवा में कौन है, मैं जीत कर आया और वे केंद्रीय मंत्री होते हुए भी चुनाव हार गए। ये जनता जनार्दन जिसको आशीर्वाद देती है वह हवा में नहीं रहता है, हवा के तो ढाई साल से बीजेपी सरकार है। अभी शायद कैलाश चौधरी को मदन राठौड़ की जगह लेने के लिए ऊपर से कुछ चल रहा है। इसलिए बोलते हैं, वरना ढाई साल से तो कुछ नहीं बोल रहे थे।

प्रशासक पैसे नहीं ला पा रहे

डोटासरा ने कहा- बच्चों को नौकरियां नहीं हैं। किसानों को परेशान किया जा रहा है। किसान परेशान हो रहा है, प्रताड़ित हो रहा है, आत्महत्या कर रहा है। सड़कें टूटी पड़ी है बजरी माफिया हावी, अपराध हावी है। रेप की घटना हो रही है। सरकार बैठे-बैठे चल रही है। मुख्यमंत्री दिल्ली हाजिरी लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री बीस बार दिल्ली में प्रधानमंत्री से मिल लिए, लेकिन प्रदेश के लिए बीस रुपए नहीं लाए। पंचायती राज में प्रशासक लगा रखे हैं वे पैसे नहीं ला पा रहे है। क्या ERCP को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर दी। क्या पेपर लीक रोक दिया। 2024 से पेपर लीक हो रहे हैं। एक CBSE की परीक्षा ठीक से करवा नहीं पा रहे हैं।

सरकार की जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री को हटाएं

डोटासरा ने कहा- दलित समेत अन्य वर्गों के लोग परेशान हैं, लेकिन इन्हें तो ऋस्र का एजेंडा चलाना है। इनको लोगों के सुख-दुख से कोई मतलब नहीं है। हिंदू, मुस्लिम करके लोगों को लड़ाया जा रहा है। धर्म के नाम पर और ईडी का दुरुपयोग करके सरकार बनाना इनका लक्ष्य है। सरकार CBSE में लापरवाही पर अफसर का हटा देती है। तो क्या नीट पेपर लीक मामले में सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाएं।

राठौड फेल, आप इधर-उधर घूमो

डोटासरा ने कहा- 5 साल केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रहे है और किसानों के लिए क्या किया बता दीजिए। अभी किसान कह रहे थे कि फसल बीमा योजना में लूट हो रही है, आपदा में जो मिलना चाहिए, वो मिल नहीं रहा है। 3 काले कानून उनके कार्यकाल में किसानों को परेशान करने के लिए लाए गए थे। आप समझ सकते हो, अभी उन्हें कुछ न कुछ कहना है, लेकिन अभी कुछ कहने का समय नहीं है अभी कुछ करने का समय है। ढाई साल तो चले गए हैं अब ढाई साल बचे हैं अब लोगों के लिए कुछ करना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री को कहा गया है कि मदन राठौड़ फेल हो गए हैं, आप इधर-उधर घूमो।

सीबीआई तो इनका तोता

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- ने कहा कि केंद्र सरकार छोटे छोटे उद्योग खत्म कर रही है, सरकार इनके बड़े उद्यमी मित्रों को फायदा पहुंचा रही है। इससे गरीबी अमीरी की खाई बढ़ती जा रही है। छात्रों, युवाओं के सपनों से खिलवाड़ किया जा रहा है। सरकार ने हर दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। 12 साल के शासन में 24 करोड़ को नौकरियां मिलनी चाहिए, लेकिन मुझे तो कहीं नौकरियां दिखाई नहीं दे रही। नीट पेपर लीक को सरकार ने माना ही नहीं, 9 दिन तक तो मामला दर्ज नहीं हुआ।

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामला

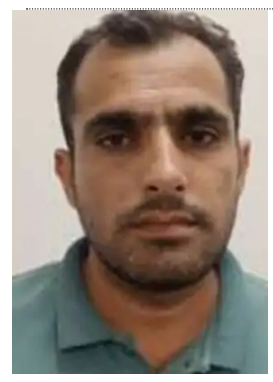

चयनित एसआई गिरफ्तार:गिरोह से संपर्क करवाने वाली बहन फरार: कॉन्स्टेबल से बना था सब-इंस्पेक्टर

जयपुर। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक प्रकरण में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी और चयनित एसआई दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। उसे 2 जून को जालौर पुलिस के सहयोग से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया। एडीजी, एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दिनेश कुमार (31) पुत्र माधाराम विश्नोई, निवासी हालीवाव पोस्ट केरिया, थाना चितलवाना, जिला जालौर है।

आरोपी को कोर्ट में पेश कर

8 जून तक रिमांड पर भेजा गया है। मामले में उसकी बहन निर्मा कुमारी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। एसओजी आरोपी से पूछताछ कर रही है। एसओजी के अनुसार- एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक प्रकरण में अब तक कुल 143 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले की जांच लगातार जारी है।

बहन के जरिए पेपर लीक गिरोह से किया था संपर्क

जांच में सामने आया कि दिनेश कुमार की बहन निर्मा कुमारी की पहचान पेपर लीक गिरोह के सरगना जगदीश विश्नोई से थी। आरोप है कि दोनों ने जगदीश विश्नोई से संपर्क कर एसआई भर्ती परीक्षा-2021 का एग्जाम से पहले उपलब्ध कराया गया हल प्रश्न-पत्र प्राप्त किया और उसे पढ़कर परीक्षा दी थी।

लिखित परीक्षा में हासिल किए थे ऊंचे अंक

15 सितंबर 2021 को आयोजित लिखित परीक्षा में दिनेश कुमार को हिंदी विषय में 200 में से 141.55 और सामान्य ज्ञान में 200 में से 167.89 अंक प्राप्त हुए। वहीं उसकी बहन निर्मा कुमारी को हिंदी में 180.94 और सामान्य ज्ञान में 156.90 अंक मिले। जांच के अनुसार- परीक्षा पूर्व प्राप्त प्रश्न पत्र के आधार पर परीक्षा देने के कारण दिनेश कुमार की मेरिट में 182वीं रैंक आई और उसका उप निरीक्षक पद पर चयन हो गया। हालांकि निर्मा कुमारी लिखित परीक्षा में अच्छे अंक लाने के बावजूद इंटरव्यू में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर नहीं दे सकी और अंतिम चयन से बाहर हो गई।

तबादले के बावजूद जॉइन करने नहीं पहुंचे आरएएस अफसर

कार्मिक विभाग ने रिलीव होने का आदेश दिया, अब आरएएस अफसरों के नए ट्रांसफर की तैयारी

जयपुर। राजस्थान में 187 आरएएस अफसरों के तबादले हुए 20 दिन से ज्यादा का समय हो चुका है, लेकिन अब भी कई अफसरों ने नई जगह जॉइन नहीं किया है। कई आरएएस अफसर अब भी पुरानी जगहों पर जमे हुए हैं। कार्मिक विभाग ने तबादले वाले आरएएस अफसरों को आज ही रिलीव कर नई जगह पर जॉइन करने के आदेश दिए हैं। उधर आरएएस अफसरों के नए सिरे से तबादले करने की भी तैयारी है। कार्मिक विभाग से जारी आदेशों के अनुसार, 13 मई को जिन आरएएस अफसरों के तबादले हुए उनमें से कई रिलीव नहीं हुए हैं। वहीं कई अफसरों ने रिलीव होने के बाद भी नई जगह काम नहीं संभाला है। कार्मिक विभाग ने ऐसे सभी अफसरों को आज ही रिलीव होकर तत्काल नई जगह जॉइन कर रिपोर्ट करने को कहा है।

अफसरों को कार्मिक विभाग से फोन किए गए

तबादले वाले आरएएस अफसरों को रिलीव होकर नई जगह जॉइन करने के लिए कार्मिक विभाग से फोन किए गए हैं। हालांकि, कुछ अफसरों के तबादलों में संशोधन की भी तैयारी है। आरएएस अफसरों के तबादलों की जल्द एक और लिस्ट आने की संभावना है। पहले जिन अफसरों के तबादले हुए थे, उनमें से दर्जन भर के तबादले निरस्त होने के आसार हैं। मई में विभागों के अलावा फील्ड में अफसर बदले गए थे, इनमें एसडीएम शामिल थे। जनगणना के कारण अभी एसडीएम के तबादलों के कम आसार हैं, लेकिन बाकी पदों पर तबादले हो सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।